उत्तराखण्ड शासन

उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड सरकार
देवभूमि उद्यमिता योजना
भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद

उद्योगिनम् पुरुषसिंहमुपैति लक्ष्मीः
EDII

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation Phase 1 Media Coverage (27 March-14 May 2026

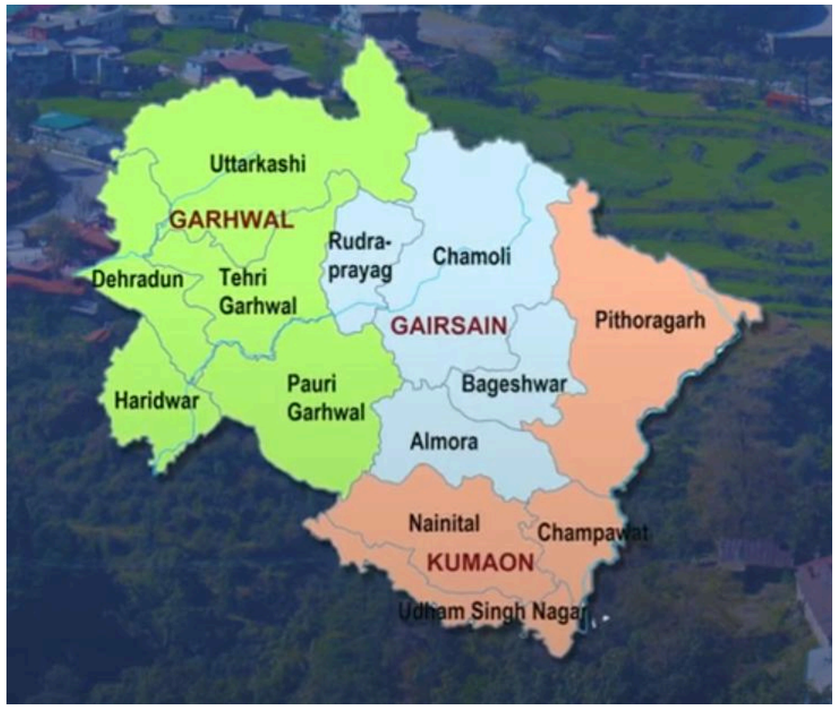

देवभूमि उद्यमिता योजना स्टार्टअप्स का नया हब बनेगा उत्तराखंड

मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में Uttarakhand Budget 2026-27 की सबसे बड़ी उपलब्धि 'देवभूमि उद्यमिता योजना' को बताया। उन्होंने इसे केवल एक सरकारी स्कीम न मानकर एक 'जन आंदोलन' का दर्जा दिया है। सरकार का मानना है कि कॉलेज के दिनों से ही छात्रों में रिस्क लेने और नई तकनीक से जुड़ने का जज्बा पैदा होना चाहिए।

इसी सोच के साथ राज्य के डिग्री कॉलेजों को 'स्टार्टअप लैब' में बदला जा रहा है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार, 300 से अधिक छात्र अपना स्टार्टअप शुरू कर चुके हैं। Uttarakhand Budget 2026-27 for Youth के तहत 20 होनहार छात्र उद्यमियों को 'सीड फंड' भी दिया गया है, ताकि उनके बिजनेस आइडिया को पंख लग सकें। अब तक 1,240 छात्रों ने अपने उद्यमों का रजिस्ट्रेशन कराया है, जिन्हें सरकार अब मार्केटिंग और ब्रांडिंग में ग्लोबल स्तर पर मदद पहुंचाएगी।

युवा उद्यमी मानसी और रोहित को किया सम्मानित

पिथौरागढ़। एलएसएम परिसर में आयोजित कैलाश उत्सव में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने युवा उद्यमी मानसी कापड़ी और रोहित भट्ट को सम्मानित किया। बीबीए विभागाध्यक्ष वं नोडल अधिकारी डॉ. रुचिता पंगरिया ने बताया कि मानसी ने उपयोग से बाहर की सामग्री से सजावटी सामान जबकि रोहित सुगंधित मोमबत्ती तैयार कर स्वरोजगार कर रहे हैं। इसी कारण दोनों को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि युवा देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार कर रहे हैं जो सुखद है। संवाद

एलएसएम परिसर में पिछले दिनों आयोजित कार्यक्रम में युवा उद्यमी मानसी कापड़ी को सम्मानित करते सीएम धामी। स्रोत : परिसर

Mansi Kapri, a budding entrepreneur under DUY from LSM Government PG College, Pithoragarh, is being awarded for her startup Homies Vibes

पिथौरागढ़ के छात्र मानस सिंह ने बनाई बिच्छू घास की चाय 'नेटल टी'

रिपोर्ट: एम. फहीम 'तन्हा'
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के कुमाऊँ क्षेत्र की समृद्ध जैविक विरासत को नई पहचान देते हुए LSM पिथौरागढ़ कैंपस के छात्र मानस सिंह ने अपनी स्टार्टअप पहल 'नेटल टी' का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया है। यह पहल देवभूमि उद्यमिता योजना (DUY) के मार्गदर्शन एवं मेंटरशिप के अंतर्गत विकसित की गई है।

मानस सिंह, जो DUY के तहत उद्यमिता का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, ने हिमालयी क्षेत्रों में पाई जाने वाली बिच्छू घास (नेटल) को एक पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक पेय के रूप में प्रस्तुत किया है। 'नेटल टी' पारंपरिक हिमालयी ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का उत्कृष्ट संगम है, जो उत्तराखंड की प्राकृतिक धरोहर को नए आयाम देने की दिशा में एक

महत्वपूर्ण कदम है।

इस स्टार्टअप की विशेषता इसकी जमीनी सोच में निहित है। उच्च गुणवत्ता वाली नेटल पत्तियों की सोर्सिंग सीधे हिमालयी क्षेत्रों से की जा रही है, जिससे उत्पाद की शुद्धता एवं पोषण मूल्य सुनिश्चित होता है। यह पहल DUY सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के सहयोग से संचालित हो रही है, जो युवा उद्यमियों को आवश्यक संसाधन, प्रशिक्षण एवं विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करता है।

'नेटल टी' का उद्देश्य केवल एक हेल्थ ड्रिंक के रूप में बाजार में अपनी पहचान बनाना नहीं है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करना, सतत कृषि को बढ़ावा देना एवं क्षेत्रीय स्टार्टअप इकोसिस्टम को सशक्त बनाना भी है।

मानस कहते हैं कि बिच्छू घास यानी एक पौष्टिकता वाले गुणों से भरा पहाड़ी पौधा है I इसकी उसी न्यूट्रिशन वाले गुण को देखते हुए इसे चाय के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयोग किया है I जोकि इस पहाड़ी पौधे को एक नए रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास है I इसको लेकर लोगों में काफी उत्सुकता भी देखने को मिल रही है I

मानस सिंह की यह पहल इस बात का सशक्त उदाहरण है कि उचित मार्गदर्शन एवं संसाधनों के साथ उत्तराखंड के युवा नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल कर सकते हैं। यह उपलब्धि अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी तथा देवभूमि उद्यमिता योजना की प्रभावशीलता को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

Manas Singh a student from LSM Pithoragarh Campus, in news for initiating his nettle tea startup post DUY Orientation Programme

बबीता ने आम की पत्ती से रंग बनाकर 10 हजार कमाए

उद्यमिता

बबीता चिलवाल।

हल्द्वानी, वरिष्ठ संवाददाता। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एमबीपीजी कॉलेज में आयोजित 12 दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। इस दौरान कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले छात्रों ने प्रस्तावित बिजनेस प्लान को विशेषज्ञों के सम्मुख रखा। वहीं छात्रा बबीता चिलवाल की ओर से आम की पत्ती, चुकंदर, हल्दी और पीले फूलों से तैयार प्राकृतिक रंग काफी पसंद किए जा रहे हैं। बीते छह दिन में बबीता ने रंग बेचकर 10 हजार से अधिक की कमाई भी कर ली है।

कार्यक्रम के दौरान सीखे गए हुनर से बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने छात्रों से कार्यशाला में सीखे गए हुनर के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक सहायता करने का आह्वान किया। विषय विशेषज्ञ जिला समन्वयक किरण जोशी ने छात्रों से कार्यशाला में सीखे हुनर को धरातल पर उतारने को कहा। उद्यमिता विकास संस्थान के अभिषेक नंदन ने छात्रों को आर्थिक सहायता स्रोतों की जानकारी दी। इस दौरान कॉलेज के समन्वयक डॉ.प्रेम प्रकाश, संचालक डॉ.टीसी पांडे, डॉ.नवल किशोर, डॉ. चारु ढौंडियाल आदि रहे।

उद्यमिता के विकास ने सपनों को दी उड़ान

उच्च शिक्षा विभाग की 'देवभूमि उद्यमिता योजना' से बेटियों को मिला प्रोत्साहन

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च)

सुमित जोशी • जागरण

हल्द्वानी: विद्यार्थी जीवन से ही व्यक्ति के हुनर को तराशने से उनकी प्रगति का पथ तैयार होता है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) भी इसी अवधारणा के साथ तैयार किया गई है। इसमें युवाओं के चहुंमुखी विकास पर विशेष जोर दिया गया है। इसी कड़ी में उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों की स्किल व उद्यमशीलता को विकसित करने के लिए देवभूमि उद्यमिता योजना शुरू की है। उद्यमिता कौशल को मिल रहे प्रोत्साहन का लाभ उठाकर बेटियां सपनों की उड़ान भर रही हैं।

आइपी राजकीय स्नातकोत्तर वाणिज्य महाविद्यालय हल्द्वानी में योजना के सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत हुए उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) में विद्यार्थियों को उद्यम शुरू करने को लेकर परामर्श दिया गया। विशेषज्ञों ने स्वरोजगार से जुड़े विचार को क्रियान्वित करने के लिए छात्रों का मार्गदर्शन किया। इससे प्रभावित होकर महाविद्यालय की छात्राओं ने स्वरोजगार की ओर कदम आगे बढ़ाए हैं। इसमें हर्बल रंग, पूजन सामग्री, गृह सज्जा की सामग्री, खाद्य पदार्थ आदि का निर्माण प्रारंभ किया है। तैयार किए गए उत्पादों के सैंपल शिक्षकों के समक्ष प्रस्तुत किया तो वह भी हैरान रह गए। नोडल डा. हिमानी ने बताया कि विभाग ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान में शिक्षकों को प्रशिक्षण दिलवाया था। उसी क्रम में अब कार्यशाला करवाकर छात्राओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। मेंटर डा. विद्या कुमारी और डा. जोशी का कहना है कि योजना मिले प्रोत्साहन से छात्राओं को उ की दिशा में कदम बढ़ाना एक सु संकेत है।

महिला कालेज की छात्रा स्नेहा ने इस तरह से पत्थर पर ऐपण को उकेरा • सौ. कालेज

बबीता ने हर्बल उत्पादों की दिशा में बढ़ाए कदम

बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा बबीता चिलवाल ने बताया कि कालेज में आयोजित उद्यमिता विकास कार्यक्रम से प्रोत्साहन मिला। होली से ही स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाने की निर्णय लिया। ऐसे में चुकंदर, पालक, गाजर और आम के पत्तों की मदद से हर्बल रंग तैयार किए हैं। साथ ही गोबर से धूप बनाई है। जिसमें लैमन ग्रास, गुलाब आदि सुगंध डाली गई है।

अंजली ने रचनात्मक सोच से बनाए मडुवा चाकलेट लड्डू

बीएससी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा अंजली दुर्गापाल ने मड़वे में चाकलेट का मिश्रण कर लड्डू तैयार किए हैं। अंजली ने बताया कि मडुवे के विभिन्न उत्पादों को देखा था और इससे कुछ नया बनाने की इच्छा थी। कालेज में हुए ईडीसी से विचार के क्रियान्वयन को लेकर मार्गदर्शन मिला। ऐसे में नया प्रयोग कर लड्डू बनाए। यह विशेषकर बच्चों को देखकर बनाए गए हैं, क्योंकि बच्चे मडुवे की रोटी खाने में रुचि नहीं दिखाते हैं। हालांकि, सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए फायदेमंद है।

नदी किनारे से पत्थर जुटा की स्टोन आर्ट की शुरुआत

बीए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा स्नेहा ने पत्थरों में ऐपण उकेर कर अपने रचनात्मक सोच से नया प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि नदी किनारे अलग-अलग आकार के पत्थरों को एकत्र कर उनमें ऐपण उकेरे और पेपर वेट तैयार किया है। इसका प्रोत्साहन देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत हुई ईडीपी कार्यशाला के दौरान ही मिला। आने वाले समय में स्टोन आर्ट के क्षेत्र में अपने प्रयास जारी रखेंगी।

एनईपी का उद्देश्य विद्यार्थियों का चहुंमुखी विकास करना है। देवभूमि उद्यमिता योजना भी इसी क्रम में शुरू की गई है। इससे छात्राओं के उद्यमिता कौशल और रचनात्मकता का विकास हुआ है।

– प्रो. आभा शर्मा, प्राचार्य

Babita Chilwal a budding entrepreneur under DUY, from MBPG College, Haldwani initiating her journey as an entrepreneur

गोपेश्वर में हुआ देवभूमि उद्यमिता योजना अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

चमोली (प्रदीप लखेड़ा)। महाविद्यालय गोपेश्वर में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड व भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद द्वारा देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ रजत शर्मा एंटरप्रेन्योरशिप एक्सपर्ट भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद और दिग्विजय सिंह जिला परियोजना अधिकारी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ने कार्यशाला में उपस्थित छात्र छात्राओं को उद्यमिता हेतु प्रेरित किया। कार्यशाला में प्राचार्य द्वारा वक्ताओं का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के नोडल रुपेश कुमार द्वारा देवभूमि उद्यमिता योजना की रूपरेखा, उद्देश्य तथा रोड मैप के बारे में छात्र-छात्राओं को अवगत कराया गया। प्राचार्य प्रो. एमपी नगवाल द्वारा कार्यशाला के लक्ष्य एवं उद्देश्य की प्राप्ति हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया गया। मुख्य वक्ता डॉ. रजत शर्मा ने उद्यम शुरू करने की प्रक्रिया को विस्तार से बताया। द्वितीय वक्ता दिग्विजय सिंह द्वारा लोकल उत्पादों द्वारा उद्यम शुरू करने की प्रक्रिया के बारे में समझाया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के 90 छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन तथा ऑन स्पॉट पंजीकरण कर प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्विज प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का चयन तीन दिवसीय बूट कैंप के लिए किया जाएगा।

मंच संचालन डॉ. सौरभ कुमार द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में डॉ घनश्याम सिंह द्वारा अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यशाला में डॉ पी एल शाह, डॉ एस पी उनियाल, डॉ भावना मेहरा, डॉ प्रियंका उनियाल डॉ पूनम टाकुली, डॉ रचना टम्टा, डॉ दिगपाल सिंह ,डॉ राजेश कुमार ,डॉ सौरव रावत ,डॉ प्रियंका राणा, डॉ शिवानी, डॉ आर के चंद्रियाल आदि उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Gopeshwar, Chamoli District

छात्रों को मिलने लगे हैं स्वरोजगार के अवसर

- **देवभूमि उद्यमिता योजना सरकार की दूरदर्शी सोच**

पोखरी, लोकसत्य। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नागनाथ पोखरी में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य वक्ता भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के कार्यक्रम अधिकारी विनोद नेगी तथा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर रीटा शर्मा ने कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना सरकार की दूरदर्शी सोच का परिणाम है। इस योजना के माध्यम से छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर अपने जीवन में सफलता के नए आयाम स्थापित करें। देइस अवसर पर देवभूमि उद्यमिता योजना महाविद्यालय इकाई के संयोजक डा. एके श्रीवास्तव, मुख्य वक्ता विनोद नेगी, डा. कंचन सहगल, मुख्यशास्ता डा. संजीव कुमार जुयाल, डा. अनिल कुमार, डा. रेनू सनवाल, डा. आरती रावत, डा. केवलानंद सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Pokhri, Chamoli District

जोशीमठ (चमोली), 5 मई 2026 । उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद (गुजरात) के संयुक्त तत्वाधान में आज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जोशीमठ में उद्यमिता विकास योजना के अंतर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. गोपाल कृष्ण सेमवाल एवं संस्थान के परियोजना अधिकारी श्री विनोद नेगी द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उद्यमिता विकास योजना के नोडल अधिकारी एवं असिस्टेंट प्रोफेसर नंदन सिंह रावत ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथि का स्वागत किया।

अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. सेमवाल ने उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग की इस फ्लैगशिप योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से इसका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने इसे युवाओं को रोजगार से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण पहल बताते हुए भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान और उच्च शिक्षा विभाग की सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नवीन पंत (असिस्टेंट प्रोफेसर) द्वारा किया गया। कार्यशाला में परियोजना अधिकारी श्री विनोद नेगी ने उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को नवाचार, स्टार्टअप, व्यवसाय योजना निर्माण, व्यवसाय के प्रकार, अवसरों की पहचान, बाजार सर्वेक्षण, व्यवसाय प्रबंधन, उद्यम विकास एवं विस्तार जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया।इसके साथ ही उत्तराखंड में आयुष, पर्यटन, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, ड्रोन आधारित खेती तथा उद्यम लाइसेंसिंग जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के संकाय सदस्यों में डॉ. नवीन कोहली, डॉ. धीरेंद्र सिंह, डॉ. राहुल तिवारी, डॉ. रणजीत मर्तोलिया, डॉ. किशोरी लाल, डॉ. राहुल मिश्रा, डॉ. राजेंद्र राणा, डॉ. उपेंद्र सिंह राणा, रणजीत सिंह राणा, आनंद सिंह, शिव सिंह कुंवर, हरीश नेगी, लीला देवी सहित अन्य कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी के सक्रिय सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC, Joshimath
Chamoli District

राजकीय महाविद्यालय जखोली में देवभूमि उद्यमिता कार्यशाला आयोजित, छात्रों को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

स्थान: जखोली, रुद्रप्रयाग

SKS न्यूज़ रिपोर्ट:
शनिवार को राजकीय महाविद्यालय जखोली में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय उद्यमिता कार्यशाला (ओरिएंटेशन प्रोग्राम) का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड शासन एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ स्वरोजगार एवं उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करना था। कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेते हुए उद्यमिता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Jakholi Rudraprayag District

बड़कोट। राजेंद्र सिंह रावत राजकीय महाविद्यालय, बड़कोट में उत्तराखंड सरकार की देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पारंपरिक नौकरी की सोच से आगे बढ़ाते हुए स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उद्यमिता आत्मनिर्भरता का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी रुचि और कौशल के अनुरूप उद्यम स्थापित करें तथा रोजगार सृजन में योगदान दें।

इस दौरान भारतीय उद्यमिता संस्थान, अहमदाबाद से आईं जनपद उत्तरकाशी समन्वयक श्रीमती सपना नेगी ने छात्रों को उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए गए व्यावसायिक विचार सफलता की कुंजी बन सकते हैं।

उन्होंने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इसके अंतर्गत एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम, तीन दिवसीय आवासीय बूट कैंप तथा छह दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन सभी चरणों को पूरा करने के बाद चयनित 25 विद्यार्थियों को मेगा इवेंट के माध्यम से अपने उद्यम की शुरुआत के लिए एक लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि नवाचार, नेतृत्व क्षमता और जोखिम उठाने की सोच भी जरूरी है। उन्होंने छात्रों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे उद्यमिता के जरिए विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता केंद्र की समन्वयक डॉ. अंजू भट्ट ने कार्यक्रम का संचालन किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि उद्यमिता न केवल व्यक्तिगत विकास का मार्ग खोलती है, बल्कि क्षेत्रीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करती है। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. प्रश्ना मिश्रा, डॉ. पूजा चौहान, आशीष नौटियाल, डॉ. पुष्पेंद्र सेमवाल और डॉ. रश्मि उनियाल का विशेष योगदान रहा।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने की इच्छा जताई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। यह अभिविन्यास कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Barkot, Uttarkashi District

उत्तरकाशी

राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय उत्तरकाशी में एक दिवसीय देव भूमि उद्यमिता के तत्वावधान में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ कार्यक्रम के महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो पंकज पंत, मुख्य वक्ता देव भूमि उद्यमिता उत्तरकाशी जिला कॉर्डिनेटर श्रीमती सपना नेगी, नोडल अधिकारी प्रो मधु थपलियाल एवं टीम के समस्त सदस्य विनोद कुमार, पवन कुमार बिजल्वाण, गम्भीर सिंह तोमर, श्रीमती सोनम भट्ट, श्रीमती अंजलि नौटियाल द्वारा किया गया जिसमें अतिथियों का बैज अलंकरण और स्मृति चिह्न प्रदान किया गया ।उत्तराखण्ड सरकार द्वारा संचालित देव भूमि उद्यमिता योजना भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा कार्यान्वित किया जाता है ।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो मधु थपलियाल द्वारा की गई, जिसमें उन्होंने महाविद्यालय द्वारा देवभूमि उधमीता योजना में गत वर्षों की गतिविधियों को सबके समक्ष रखा।सरकार द्वारा संचालित इस योजना से छात्र छात्राएँ कैसे लाभान्वित हुए हैं और भविष्य में कैसे ओर लाभ ले सकते हैं इस विषय पर छात्रों को जागरूक किया। प्रो मधु थपलियाल के मार्गदर्शन में महाविद्यालय में देवभूमि उधमीता योजना के अंतर्गत कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिसमें EDP, बूट कैंप, मेगा स्टार्टअप आदि शामिल हैं । देहरादून में मेगा स्टार्टअप इवेंट में भी छात्रों ने प्रतिभाग किया ।अभी तक महाविद्यालय के चार सौ से अधिक छात्र छात्राएँ देवभूमि उधमीता योजना से लाभान्वित हुए हैं । इसी क्रम में प्राचार्य प्रो पंकज पंत द्वारा छात्र छात्राओं को उद्यमिता को कई जीवंत उदाहरणों से प्रस्तुत किया। उन्होंने यह भी बताया कि उद्यमी बनना केवल बिज़नेस करना नहीं होता बल्कि समस्याओं को अवसर में बदलना एंटरप्रेन्योर होता हैं।उनका वक्तव्य बेहद प्रेरणादायक और ऊर्जावान रहा जिसमें उन्होंने छात्रों को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित कर कार्यक्रम के फलीभूत होने की शुभकामनाएँ दी कार्यक्रम की मुख्य वक्ता जिला कॉर्डिनेटर श्रीमती सपना नेगी का प्रस्तुतीकरण बेहद प्रभावशाली रहा। उन्होंने छात्रों के बीच इंटरैक्टिव सेशन किया जिसमें छात्रों ने बड़े उत्साह से बढ़ चढ़कर चर्चा की। उन्होंने देवभूमि उधमीता योजना लाभान्वित प्रदेश भर के लाभार्थियों के उदाहरण देते हुए छात्रों को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया ।
कार्यक्रम के अंत में बूटकैंप में चयनित होने के लिए इच्छुक विद्यार्थियों ने टेस्ट दिया ।कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अंजलि नौटियाल ने किया ।कार्यक्रम के अंत में गम्भीर तोमर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।
इस अवसर पर महाविद्यालय के कैरियर काउंसिलिगं समिति के सदस्य डॉ प्रियंका संगल,समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं सौ से अधिक छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे ।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Uttarkashi

संवाद सूत्र जागरण • पुरोला : बर्फिया लाल जुवांठा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता के तहत ओरिएंटेशन कार्यशाला में प्राचार्य डा.एके तिवारी ने छात्रों से सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से लाभ उठाने का आह्वान किया। उद्यमिता योजना की संदर्भदाता सपना नेगी ने उद्यमिता विकास व व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया, स्वरोजगार के अवसरों योजनाओं के माध्यम से मिलने वाले प्रशिक्षण एवं आर्थिक सहायता के बारे में बताया। कार्यशाला संयोजक डा.गणेश रतूड़ी ने स्थानीय उत्पाद बाजार से जोड़ने, डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग कर व्यवसाय शुरू कर आगे बढ़ाने के तरीके बताए। इस मौके पर डा.बिशम्बर जोशी, किशन रतूड़ी, राजेंद्र लाल आर्य, डा.दीपक सिंह, डा.वैशाली सिंह, डा.यमुना प्रसाद रतूड़ी, डा.अबीता बंटवाण, डा.तबस्सुम जहां, बलवीर चौहान मौजूद रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Barfiya Lal Juwantha Govt Degree College, Purola, Uttarkashi District

उत्तरकाशी, 17 अप्रैल 2026 : आज राजकीय महाविद्यालय चिन्यालीसौड़ के करियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ के तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से किया गया।

कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में श्रीमती सपना नेगी (जिला परियोजना समन्वयक, उत्तरकाशी) उपस्थित रहीं। उन्होंने देवभूमि उद्यमिता योजना के विभिन्न पहलुओं, उद्देश्यों तथा इसके माध्यम से युवाओं को मिलने वाले अवसरों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही विश्व और भारत में बेरोजगारी और उद्यमिता की स्थिति, एवं उद्यमिता का अर्थ, महत्व और प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से बताया।

विद्यार्थियों को स्टार्टअप, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने देव भूमि उद्यमिता योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी जो वर्ष 2023 में प्रारंभ हुई थी। अंत में एक टेस्ट भी विद्यार्थियों से हल करवाया गया और प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रभात द्विवेदी जी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता के महत्व को समझाते हुए कहा कि आज के समय में केवल नौकरी ही नहीं, बल्कि स्वयं का रोजगार सृजन भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. किशोर सिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करते हैं और उन्हें अपने करियर के प्रति जागरूक बनाते हैं।

मंच संचालन डॉ आराधना राठौर ने किया। कार्यक्रम में डॉ प्रभात कुमार सिंह, डॉ नेहा बिष्ट एवं डॉ आलोक बिजल्वाण ने योगदान दिया। इस अवसर पर डॉ खुशपाल, डॉ यशवंत सिंह, डॉ सुगन्धा वर्मा, डॉ निशी दुबे, डॉ मंजू पांडे, डॉ अशोक कुमार अग्रवाल एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Chinyalisaur Uttarkashi

आत्मनिर्भर बनने के लिए किया प्रेरित

काशीपुर। उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की ओर से देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत भविष्य के लिए तैयार उद्यमियों की नई पीढ़ी विकसित करने के उद्देश्य से उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शनिवार को राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में 128 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य डॉ. कल्पनाथ यादव ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संचालन देवभूमि उद्यमिता योजना की नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रकला सिंह और डॉ. भानु प्रताप सिंह गौतम ने किया। वहां पर डॉ. रजनी शर्मा सहित प्राध्यापक मौजूद रहे। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Radhey Hari Govt Post Graduate College, Kashipur- Udham Singh Nagar District

डिग्री कॉलेज में ओरिएंटेशन शिविर आयोजित

किच्छा। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक दिवसीय ओरिएंटेशन शिविर डिग्री कॉलेज में लगा। मुख्य वक्ता उद्यमिता विशेषज्ञ डॉ. रजत शर्मा ने विद्यार्थियों को उद्यमिता के विभिन्न आयामों से परिचित कराया। प्राचार्य डा. राजीव रतन ने कहा कि यह योजना युवाओं को स्वरोजगार एवं स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। आइक्यूएसी एवं देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी प्रकाश चंद भट्ट ने योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। वहां लिखित परीक्षा भी हुई। 90 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिए गए। वहां पर डॉ. नरेश कुमार, डॉ. मनीषा पाण्डेय, लवली पाण्डेय, उपेन्द्र, आनंद सिंह रावत आदि उपस्थित थे। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Kichha, Udham Singh Nagar

युवाओं से स्वरोजगार की राह पर चलने का आह्वान

पीजी कॉलेज में एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत आयोजित कार्यशाला में मौजूद अतिथि व छात्र-छात्राएं

बाजपुर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बीके सिंह ने कहा कि आज के समय में युवाओं के लिए स्वरोजगार अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी इम्पलायी बनने के बजाय इम्पलायर बनें, यही समय की मांग है।

उत्तराखण्ड उच्च शिक्षा विभाग की देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाजपुर में एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. बीके सिंह एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के परियोजना अधिकारी डॉ. रजत शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखण्ड उच्च शिक्षा विभाग की एक महत्वपूर्ण फ्लैगशिप पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे इस योजना का अधिकतम लाभ उठाएं और स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ें। साथ ही उन्होंने ईडीआईआई अहमदाबाद एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस रोजगारपरक योजना की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. रजत शर्मा ने विद्यार्थियों को उद्यमिता के विभिन्न आयामों की विस्तार से जानकारी दी। बताया कि किस प्रकार छात्र अपना स्टार्टअप या व्यवसाय प्रारंभ कर सकते हैं। उन्होंने उत्तराखण्ड में उपलब्ध संभावनाओं जैसे आयुष, पर्यटन, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, ड्रोन आधारित फार्मिंग तथा उद्यम लाइसेंसिंग से जुड़े पहलुओं पर भी विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार के साथ आगे बढ़ने और स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर रोजगार सृजन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर देवभूमि उद्यमिता योजना के संयोजक जाहिद मुस्तफा एवं सह-संयोजक डॉ. दर्शन सिंह ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उद्यमिता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। अंत में विद्यार्थियों की उद्यमिता परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें सफल छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मनप्रीत सिंह, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. अनिल सैनी, डॉ. सुरजपाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Bazpur, Udham Singh Nagar

डिग्री से योग्यता को नहीं मापा जा सकता : डा. शर्मा

जागरण संवाददाता, किच्छा : एंटरप्रेन्योरशिप डेवलेपमेंट इंस्टीट्यूट आफ इंडिया ईडीआइआइ अहमदाबाद के उद्यमिता विशेषज्ञ डा. रजत शर्मा ने कहा वर्तमान समय में डिग्री से योग्यता को नहीं मापा जा सकता है। युवाओं में उद्यमिता कौशल, सकारात्मक सोच के साथ समाज व बाजार की आवश्यकताओं के अनुरूप वर्तमान स्थिति व वांछित लक्ष्य के बीच के अंतर की समझ युवाओं को आत्मनिर्भर बना सकती है। डा. शर्मा ने विद्यार्थियों को नवाचार, जोखिम लेने की क्षमता व रोजगार सृजक बनने के लिए प्रेरित किया। मंगलवार को आदर्श राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कैंप आयोजित किया गया। प्राचार्य डा. राजीव रतन ने कहा देवभूमि उद्यमिता योजना युवाओं को स्वरोजगार व स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ने का अहम माध्यम है। नोडल अधिकारी डा. प्रकाश चंद भट्ट ने विद्यार्थियों के लिए अवसरों की जानकारी दी। संचालन डा. नरेश कुमार ने किया। यहां डा. मनीषा पांडेय, लवली पांडेय, उपेन्द्र, आनंद सिंह थे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Adarsh Rajkiye Mahavidyalaya-Udham Singh Nagar

छात्रों को स्टार्टअप की जानकारी दी

रुद्रपुर। सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बुधवार को देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उद्यमिता, स्टार्टअप और स्वरोजगार के प्रति जागरूक व प्रेरित करना था।

उच्च शिक्षा विभाग, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. अवधेश नारायण सिंह एवं योजना की नोडल अधिकारी डॉ. गरिमा जायसवाल ने मुख्य वक्ता व प्रोजेक्ट ऑफिसर रजत शर्मा ने किया था।

रुद्रपुर एसबीएस डिग्री कालेज में कार्यक्रम में दौरान मौजूद शिक्षक एवं विद्यार्थी • जागरण

जागरण संवाददाता, रुद्रपुर : उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में एसबीएस कालेज में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक दिवसीय उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उद्यमिता और स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अवधेश नारायण सिंह और देवभूमि उद्यमिता योजना की नोडल अधिकारी डा. गरिमा जायसवाल ने मुख्य वक्ता प्रोजेक्ट आफिसर रजत शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए किया। इस अवसर पर प्राचार्य ने विद्यार्थियों को स्थानीय संसाधनों और नवाचार आधारित उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि युवा आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नोडल अधिकारी डा. गरिमा जायसवाल ने योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए बूट कैंप, उद्यमिता विकास कार्यक्रम और मेगा स्टार्टअप समिट आयोजित किए जाएंगे। मुख्य वक्ता रजत शर्मा ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप इकोसिस्टम, नवाचार, व्यवसायिक अवसरों की पहचान और व्यवसाय स्थापित करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में डा. शलभ गुप्ता, डा. मनोज पांडेय, डा. अंकिता चंदोला, डा. चंद्रपाल, डा. इंदु एस ममगाई, डा. विकार हसन आदि रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Sardar Bhagat Singh Government Post Graduate College- Rudrapur, Udham Singh Nagar

एक दिवसीय देव भूमि उद्यमिता योजना अभिविन्यास कार्यक्रम

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता । नगर के महाराणा प्रताप राजकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में "देवभूमि उद्यमिता योजना" के अंतर्गत एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अंजला दुर्गापाल, देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी प्रो0 मृत्युंजय शर्मा एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

गुरुवार को महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम में अपने संबोधन में प्राचार्य प्रोफेसर अंजला दुर्गापाल ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए स्थानीय संसाधनों, पारंपरिक कौशल एवं नवाचार आधारित उद्यमिता को स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने विशेष रूप से उत्तराखंड की जनजातीय कला एवं संस्कृति, विशेषकर थारु जनजाति की हस्तकला एवं उससे जुड़े स्वरोजगार के अवसरों पर आधारित प्रस्तुतीकरण (पीपीटी) के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी प्रो. मृत्युंजय शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को आगामी बूट कैंप, उद्यमिता विकास कार्यक्रम (इडीपी) एवं मेगा स्टार्टअप समिट से संबंधित जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह मेहरा ने विद्यार्थियों को उद्यमिता, नवाचार एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम की संभावनाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर मृत्युंजय शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं 79 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Nanakmatta, Udham Singh Nagar

विवि परिसर में उद्यमिता का प्रशिक्षण

देवप्रयाग। श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय परिसर चंद्रबदनी नैखरी में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत ओरिएंटेशन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं को स्वरोजगार के प्रति जागरूक किया गया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से आए मुख्य प्रशिक्षक दिग्विजय सिंह ने समझाया कि कैसे एक छोटे से विचार को बड़े बिजनेस मॉडल में बदला जा सकता है। उन्होंने भीमल शैम्पू, पहाड़ी बड़ी, लेमन ग्रास टी, बांस के पेन स्टैंड और पहाड़ी पिसा हुआ नमक जैसे स्थानीय उत्पादों का उदाहरण देते हुए कहा कि इनके माध्यम से छात्र स्वयं का ब्रांड बनाकर बाजार में पहचान बना सकते हैं। परियोजना अधिकारी दिग्विजय सिंह ने भी विचार रखे। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Shree Dev Suman Chandrabadni, Tehri District

कौशल विकास से स्वरोजगार संभव : दिग्विजय

कंडीसौड़ (टिहरी)। कमांद कॉलेज में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत कौशल विकास पर गोष्ठी आयोजित की गई जिसका शुभारंभ परियोजना अधिकारी दिग्विजय सिंह ने किया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. शैफाली शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान समय में उद्यमिता ही युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है। इस मौके पर देवभूमि उद्यमिता के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक , डॉ. राकेश मोहन , डॉ. बीना डॉ. नीना , योग प्रशिक्षक देवेश चंद्र मौजूद रहे। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Kamand, Tehri District

नैनबाग महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत अभिविन्यास कार्यक्रम का किया गया आयोजन।

टिहरी गढ़वाल, नैनबाग। राजकीय महाविद्यालय नैनबाग में प्राचार्य प्रोफेसर मुकेश कुमार की अध्यक्षता में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) द्वारा प्रायोजित देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय की DUY नोडल अधिकारी डॉ. मधु बाला जुवाँठा ने अतिथियों के स्वागत के साथ किया। उन्होंने योजना के तृतीय संस्करण की कार्ययोजना पर प्रकाश डालते हुए एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम, तीन दिवसीय बूटकैम्प तथा छह दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से प्रस्तुत की। मुख्य वक्ता एवं EDII के प्रोजेक्ट अधिकारी श्री दिग्विजय सिंह ने छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के महत्व, स्वरोजगार के अवसरों एवं व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कंडाली की चाय, शैम्पू, साबुन तथा मंडुआ के आटे जैसे स्थानीय उत्पादों के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उनसे जुड़े सफल उद्यमियों पर चर्चा की और विद्यार्थियों को उद्यमिता के प्रति जागरूक किया। साथ ही, उन्होंने देवभूमि उद्यमिता योजना के विभिन्न चरणों की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं की उद्यमिता संबंधी समझ का आकलन करने हेतु एक स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया गया, जिसमें चयनित छात्र-छात्राओं को अगले चरण के लिए चुना जाएगा। अपने संबोधन में प्राचार्य प्रोफेसर मुकेश कुमार ने छात्र-छात्राओं को स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार के अवसरों को पहचानने एवं उन्हें उद्यम के रूप में विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में EDII की ओर से महाविद्यालय के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। विशेष सहयोग के लिए योग आचार्य श्री राजमोहन सिंह को भी स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. मंजू कोगियाल (विभागाध्यक्ष हिन्दी), डॉ. बृज कुमार (भूगोल), डॉ. परमानन्द चौहान (अर्थशास्त्र), डॉ. दुर्गेश कुमारी (अंग्रेजी), डॉ. संदीप कुमार (समाजशास्त्र), डॉ. दिनेश चंद्र (इतिहास), सहायक पुस्तकालय अध्यक्ष श्रीमती मीनाक्षी सहित,पुस्तकालय लिपिक श्री दिनेश पंवार, कार्यालय लिपिक श्री सुशील चंद ,लैब असिस्टेंट श्री भुवन चंद, श्री अनिल नेगी, श्री रोशन, श्री मोहन, श्रीमती रीना एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Nainbagh, Tehri District

चुनौतियों के बीच जोखिम प्रबंधन ही उद्यमिता की सफलता–डॉ०संजय महर

वाचस्पति रयाल
सरल एक्सप्रेस संवाददाता

नरेन्द्रनगर। रोजगार के लिए दर–दर की ठोकरें खा रहे युवा उद्यमिता एवं नवाचार कौशल संस्कृति के जरिए कैसे स्वरोजगार अपना कर अपना भविष्य संवार सकते हैं, इसी उद्देश्य से यहां स्थित धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय उद्यमिता ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो० प्रणिता नन्द, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा० संजय महर एवं भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के प्रोजेक्टर आफिसर एवं मुख्य वक्ता दिग्विजय सजवाण के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्रओं को उद्यमिता, स्टार्ट–अप, नवाचार, व्यावसायिक आइडियाज को धरातल पर उतार कर युवाओं को स्वरोजगार की तरफ प्रेरित कर जागरूक व आत्मनिर्भर बनाना है। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो० प्रणिता नंद ने छात्र–छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा देवभूमि उद्यमिता के माध्यम से युवाओं को उद्यमिता एवं स्व–रोजगार के प्रति प्रेरित करने के लिए अनेकों योजनाएं चलाई जा रही हैं। कहा कि उत्तराखण्ड के हर्बल उत्पाद, बुरांश, माल्टा एवं औषधीय जड़ी–बूटियों के उत्पाद के माध्यम से युवा स्व–रोजगार अपना कर स्वावलंबी बन सकते हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे उद्यमिता के जरिए,स्वावलंबी बनकर औरों के लिए भी प्रेरणा बन सकते हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के दिग्विजय सजवाण ने कहा कि उद्यमिता विकास प्रशिक्षण के माध्यम से

छात्रों के आइडियाज एवं उत्तराखण्ड आधारित उत्पाद को मार्केट विस्तार एवं वित्तीय सहायता हेतु ई०डी०आई० अहमदाबाद मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि सीड फंडिंग हेतु ब्राण्ड वैल्यू आवश्यक है, तभी उत्पाद एवं सेवाओं की मार्केटिंग सुदृढ़ तरीके से हो सकती है। देवभूमि उद्यमिता केन्द्र के नोडल अधिकारी डॉ० संजय महर ने सारगर्वित संबोधन में छात्र–छात्राओं को स्टार्ट–अप के लिए आइडियाज क्रिएशन के प्रति प्रेरित करते हुए, कहा कि किसी भी स्टार्ट–अप के लिए नवाचार, नवोन्मेष एवं उद्यमिता हेतु सृजनशीलता आवश्यक है, तभी चुनौतियों के बीच जोखिम प्रबन्धन के माध्यम से उद्यमिता में सफलता हासिल की जा सकती है और यह प्रयोग युवाओं के हुनर को तलाशने व उनमें उद्यमिता के प्रति जिज्ञासा पैदा करना है। युवाओं में कुछ कर गुजरने की क्षमता व चेतना जागृत करने के मकसद से डॉक्टर संजय महर का यह वक्तव्य कि आइडियाज से आय तक, क्रिएटिव से कमाने तक, परफॉरमेंस से पहचान तक, उन्नयन से उद्योग तक, नवाचार से नवोन्मेश तक, युवा जोश से युवा उद्यमी बनने के सफर तक, रोजगार के रोडमैप से उद्यमिता के सफर की नई उड़ान तक, कौशल विकास से विकसित भारत की कल्पना तक, वोकल फॉर लोकल के सपने से वैश्विक बाजार तक और स्टार्ट–अप से स्टैंड–अप तक की दुनिया को जानते हुए सामर्थ्य से सशक्तीकरण एवं स्वावलम्बन तक की इस यात्रा के साक्षी बनें जैसे उद्बोधन का श्रवण कर युवाओं में नई चेतना का ऐसा संचार देखने को मिला, कि जैसे वे डॉक्टर संजय महर की उन वाक्यांशों में अपने भविष्य को तलाश रहे हों। प्रशिक्षण के दौरान पर्यटन, होमस्टे, इकोटूरिज्म, औषधीय पुष्प, हर्बल शैम्पू, आई०टी० में नवोन्मेष, उद्यम एवं वित्तीय प्रबन्धन के साथ ही उद्योग स्थापना की प्रक्रिया, उद्यमशीलता के गुण, सफल उद्यमी बनने के टिप्स, विपणन कौशल, उत्पाद गुणवत्ता, बाजार सर्वेक्षण, व्यवसाय विस्तार पर भी छात्र–छात्राओं का मार्गदर्शन किया गया। साथ ही स्टार्टअप एवं कौशल विकास पर भी जोर दिया गया एवं छात्र–छात्राओं द्वारा अपने आइडिया के भी प्रस्तुतिकरण दिये गये। इस मौके पर डॉ० उमेश मैठाणी, डॉ० राजपाल, डॉ० सुशील, नताशा, सुधा रानी, डॉ० सृचना सचदेवा, डॉ० हिमांशु जोशी ,डॉ० आराधना, डॉ० विजय प्रकाश, जितेंन्द्र नौटियाल, शिशुपाल, अजय, छात्र संघ अध्यक्ष राहुल, आशु सहित विभिन्न संकायों के कई दर्जन छात्र–छात्रायें उपस्थित थे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Narendra Nagar, Tehri District

EDII अहमदाबाद के प्रोजेक्ट अधिकारी दिग्विजय सिंह ने दी जानकारी, चयनित छात्रों को मिलेगा बूट कैंप में भाग लेने का मौका

थत्यूड़ (टिहरी गढ़वाल)। रिपोर्ट: सोमबारी लाल सकलानी 'निशांत'
राजकीय महाविद्यालय थत्यूड़ में गुरुवार को **देवभूमि उद्यमिता योजना** के तहत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार और भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद (EDII) के सौजन्य से आयोजित हुआ।

🎓 युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया:

कार्यक्रम में मुख्य संयोजक के रूप में EDII अहमदाबाद के प्रोजेक्ट अधिकारी **दिग्विजय सिंह** उपस्थित रहे।
उन्होंने छात्र-छात्राओं को देवभूमि उद्यमिता योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि कैसे इस योजना के माध्यम से उत्तराखंड के कई युवा सफल उद्यमी बनकर आत्मनिर्भर बने हैं।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Thatyur, Tehri District

टिहरी गढ़वाल। राजकीय महाविद्यालय खाड़ी में उत्तराखंड सरकार की महत्वाकांक्षी देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन (अभिमुखीकरण) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार एवं उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरुण कुमार सिंह के निर्देशन तथा नोडल अधिकारी श्रीमती मीना के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रोग्राम ऑफिसर दिग्विजय सिंह सजवाण एवं विशेषज्ञ आयुष रावत उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में केवल शैक्षणिक डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों में स्वरोजगार, नवाचार और उद्यमशीलता की सोच विकसित करना आवश्यक है।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Khadi, Tehri District

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: राजकीय महाविद्यालय टनकपुर में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अनुपमा तिवारी, देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ. सुनील कुमार कटियार, कार्यक्रम संयोजक जयेंद्र विक्रम तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्राचार्य डॉ. अनुपमा तिवारी ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए स्थानीय संसाधनों एवं पारंपरिक कौशल के आधार पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ. सुनील कुमार कटियार ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए आगामी बूट कैंप, उद्यमिता विकास कार्यक्रम तथा मेगा स्टार्टअप समिट की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय में पूर्व में आयोजित उद्यमिता संबंधी गतिविधियों एवं उनकी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद से आए प्रोजेक्ट ऑफिसर जयेंद्र विक्रम ने विद्यार्थियों को उद्यमिता की अवधारणा, नवाचार के विभिन्न आयामों तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम की संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने समस्याओं की पहचान, नए विचारों का सृजन, अवसरों के मूल्यांकन, रचनात्मक सोच एवं व्यावसायिक विचारों को बाजार तक पहुँचाने की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही स्टार्टअप एवं पारंपरिक व्यवसाय के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए व्यवसाय के लिए पूंजी जुटाने के विभिन्न स्रोतों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत उपलब्ध प्रशिक्षण, मेंटरशिप, वेंचर डेवलपमेंट सपोर्ट, हैंड-होल्डिंग एवं वित्तीय सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी साझा की गईं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. एम.एस. चौहान, डॉ. अब्दुल शाहिद, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ. पंकज उप्रेती, डॉ. सुलतान सिंह यादव, डॉ. सुषमा मक्कड़, डॉ. विमल जोशी, डॉ. होशियार सिंह, श्री विजय डालाकोटी, डॉ. रोहित शर्मा, डॉ. ब्रह्म नन्द, डॉ. किरण, डॉ. पूनम, डॉ. मीनाक्षी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Tanakpur, Champawat District

लोहाघाट (चंपावत)। देवभूमि उद्यमिता केंद्र ओर से स्वामी विवेकानंद पीजी कॉलेज में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कायशाला में युवाओं को उद्यम के गुर सिखाए गए। योजना के तहत नए उद्यमियों (इंटरप्रेन्योर्स) को एक लाख रुपये तक का सीड फंड प्रदान किया जाता है।

प्राचार्य डॉ. संगीता गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रजत शर्मा ने किया। उन्होंने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद की जानकारी देते हुए बताया कि इसकी स्थापना 1983 में उद्यमिता शिक्षा, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए की गई थी।

स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ने के लिए किया प्रेरित

चंपावत। राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्राचार्य प्रो. अजिता दीक्षित और नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने दीप जला कर किया गया।

प्राचार्य प्रो. अजिता ने विद्यार्थियों को स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक कौशल के आधार पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Lohaghat-Champawat District

बनबसा (चम्पावत)। राजकीय महाविद्यालय बनबसा में आज दिनांक 17 अप्रैल 2026 को उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड द्वारा संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना (DUY) के अंतर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन (जागरूकता) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. राजीव कुमार (समाजशास्त्र विभाग) के कुशल निर्देशन में हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में देवभूमि उद्यमिता योजना के प्रोजेक्ट ऑफिसर श्री जयेंद्र जी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देते हुए नौकरी तलाशने के बजाय जॉब क्रिएटर बनने के लिए प्रेरित किया तथा बताया कि कैसे युवा अपने अभिनव विचारों को सफल स्टार्टअप में बदल सकते हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद प्रकाश सिंह ने कहा कि आज के समय में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों में रचनात्मकता, नवाचार और उद्यमिता कौशल का विकास अत्यंत आवश्यक है। यह योजना युवाओं के सपनों को साकार करने का एक सशक्त माध्यम है।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ। पूरे कार्यक्रम का प्रभावी संचालन श्री हेम कुमार गहतोड़ी (हिंदी विभाग) द्वारा किया गया।इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयंसेवियों, रोवर्स-रेंजर्स, छात्रसंघ पदाधिकारियों, समस्त प्राध्यापकों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अंत में नोडल अधिकारी डॉ. राजीव कुमार द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के सफल समापन की घोषणा की गई।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Banbasa, Champawat District

देवीधुरा डिग्री कॉलेज में ओरिएंटेशन का आयोजन

पाटी (चंपावत)। राजकीय आदर्श महाविद्यालय देवीधुरा में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसका शुभारंभ प्राचार्य डॉ. गीता श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी डॉ. हेम चंद्र और प्राध्यापकों ने दीप जला कर किया।

प्राचार्य डॉ. श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्वरोजगार अपनाने और आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। नोडल अधिकारी डॉ. हेम चंद्र ने बूट कैंप, ईडीपी और मेगा स्टार्टअप समिट की जानकारी दी। संवाद

स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ने के लिए किया प्रेरित

चंपावत। राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्राचार्य प्रो. अजिता दीक्षित और नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने दीप जला कर किया गया।

प्राचार्य प्रो. अजिता ने विद्यार्थियों को स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक कौशल के आधार पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी।

मुख्य अतिथि भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से आए प्रोजेक्ट ऑफिसर जयेंद्र विक्रम शर्मा ने विद्यार्थियों को उद्यमिता की अवधारणा, नवाचार के विभिन्न आयामों तथा स्टार्टअप इको सिस्टम की संभावनाओं से अवगत कराया।

उन्होंने समस्याओं की पहचान, नए विचारों का सृजन, अवसरों के मूल्यांकन, रचनात्मक सोच और व्यवसायिक विचारों को बाजार तक पहुंचाने की जानकारी दी। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। संचालन डॉ. अर्चना वर्मा ने किया। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Devidhura and GDC Amori, Champawat District

दैनिक रुद्र टाइम्स
नैनीताल,रविवार, 26 अप्रैल 2026
5

बेरीनाग में देवभूमि उद्यमिता योजना का एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन

रुद्र टाइम्स

बेरीनाग (पिथौरागढ़) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेरीनाग में प्राचार्य प्रोफेसर बी.एम. पाण्डेय की अध्यक्षता में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में देव भूमि उद्यमिता योजना का एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी . एम . पाण्डेय , देवभूमि उद्यमिता योजना के महाविद्यालय नोडल अधिकारी ललित चंद, कार्यक्रम संयोजक जयेंद विक्रम तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ में प्राचार्य प्रोफेसर पाण्डेय ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए स्थानीय संसाधनों एवं पारंपरिक कौशल के आधार पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी ललित चंद ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए आगामी बूट कैंप, उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP) तथा मेगा स्टार्टअप समिट की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय में पूर्व में आयोजित उद्यमिता संबंधी गतिविधियों एवं उनकी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के प्रोजेक्ट ऑफिसर जयेंद विक्रम ने विद्यार्थियों को उद्यमिता की अवधारणा, नवाचार के विभिन्न आयामों तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम की संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने समस्याओं की पहचान, नए विचारों का सृजन, अवसरों के मूल्यांकन, रचनात्मक सोच एवं व्यवसायिक विचारों को बाजार तक पहुँचाने की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी साथ ही साथ स्टार्टअप एवं पारंपरिक व्यवसाय के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए व्यवसाय हेतु पूंजी जुटाने के विभिन्न स्रोतों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत उपलब्ध प्रशिक्षण, मेंटरशिप, वेंचर डेवलपमेंट सपोर्ट, हैंड–होल्डिंग एवं वित्तीय सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी साझा की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक नोडल अधिकारी ओम प्रकाश, डॉ. दीपा पन्त, डॉ. अश्वनी कुमार, रश्मि सेलवाल, रश्मि पन्त , सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Berinag, Pithoragarh District

विद्यार्थियों को कौशल विकास का व्यावहारिक ज्ञान दिया

पिथौरागढ़। एलएसएम परिसर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उद्यमिता विशेषज्ञ डॉ. रजत शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में व्यवसाय कौशल को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि उद्यम शुरू करने से पहले क्षमता, लाभ-हानि, बाजार आदि व्यवस्थाओं को परखना जरूरी है।

इस दौरान विद्यार्थियों को कौशल विकास का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। इसके साथ ही उद्यमिता विकास पर परीक्षा भी कराई गई। युवा उद्यमी मानसी कापड़ी, समर खान और रोहित भट्ट को उनके सफल उद्यमों के लिए सम्मानित किया गया।

इस दौरान विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. कमलेश कुमार भाकुनी, डीयूवाई की नोडल अधिकारी डॉ. रुचिता पंगारिया, परियोजना अधिकारी जयेंद्र, विक्रम, डॉ. बीपी पांडेय, डॉ. भावना पलारिया, तनुश्री दौंड़ियाल, डॉ. रजत शर्मा आदि मौजूद रहे। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at LSM Campus, Pithoragarh District

देवभूमि उद्यमिता ओरिएंटेशन का आयोजन

गणाईगंगोली (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान की ओर से देवभूमि उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि देवभूमि योजना के नोडल अधिकारी जैनेंद्र विक्रम देव, प्राचार्य प्रो. सिद्धेश्वर सिंह ने दीप जला कर किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। प्राचार्य सिंह ने कहा कि यह योजना उद्यम को प्रोत्साहित करती है। मुख्य अतिथि जैनेंद्र विक्रम ने कूड़े से बिजली निर्माण के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि यह योजना विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने, नौकरी देने वाला बनाने की सोच विकसित करने एवं रचनात्मकता, नवाचार को बढ़ावा देने के लिए चुनौतियों का सामना करना सिखाती है। संचालन प्राध्यापिका शीतल आर्या ने किया। यहां डॉ. गणेश चंद, डॉ. कल्पना जोशी, डॉ. दीपक कुमार कोठारी, डॉ. गौरव कुमार, प्रकाश पांडे आदि थे। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Ganai Gangoli , Pithoragarh District

मुनस्यारी महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जानकारी देते प्रशिक्षक • जागरण

संवाद सहयोगी, जागरण, पिथौरागढ़: देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक दिवसीय उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन स्व. डा. आरएस टोलिया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुनस्यारी में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डा. दुर्गेश कुमार शुक्ला सहित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में देवभूमि उद्यमिता योजना के प्रोजेक्ट मैनेजर जयेंद्र विक्रम सिंह ने छात्र-छात्राओं को स्टार्टअप, स्वरोजगार और उद्यमिता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने और उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के चयन के लिए एक परीक्षण (टेस्ट) भी आयोजित किया गया। नोडल अधिकारी डा. प्रशांत जोशी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए देवभूमि उद्यमिता योजना की विस्तृत जानकारी दी। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डा. राहुल पांडेय, डा.रिफाकत अली, डा. निधि, डा.उदय भान, डा. रीता, डा. पुष्पा कालाकोटी, डा.मनीषा पांडे, डा. राजेंद्र सिंह राणा, डा. चेतन चंद्र जोशी, डा. दिनेश चंद्र पांडेय, डा. अशोक कुमार मौर्य, गणेश चंद्र, कैलाश देवली, कृष्णा सिंह पंचपाल, धर्मेंद्र नितवाल, लक्ष्मण सिंह, लक्ष्मी, त्रिलोक राम सहित अन्य मौजूद रहे।

- छात्रों को स्टार्टअप, स्वरोजगार और उद्यमिता की जानकारियां दीं
- समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Munsyari , Pithoragarh District

छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार की जानकारी दी

मुवानी (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता ओरिएंटल कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार की जानकारी दी गई। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के जयेंद्र विक्रम ने छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि कहा कि वर्तमान समय में सरकारी नौकरी पर ही निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, युवाओं को स्वरोजगार की ओर अग्रसर होना चाहिए। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी राजकमल किशोर ने भी कौशल, रुचि और नवाचार को सही दिशा में उपयोग करने की अपील की। वहां डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. रुपेश कुमार, डॉ. नीमा जोशी, डॉ. भावना, सुंदर सिंह, लछम सिंह मेहता, धरम सिंह, अंशुल स्वरूप, हुकुम सिंह, वीरेंद्र सिंह, दिया भंडारी आदि थे। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Muwani , Pithoragarh District

विद्यार्थियों को उद्यमिता के बारे में बताया गया

डीडीहाट (पिथौरागढ़)। संत नारायण स्वामी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय 'नारायण नगर में विद्यार्थियों को उद्यमिता के अवसरों की पहचान की जानकारी दी गई। प्राचार्य डॉ. प्रेमलता पंत ने मत्स्य और मधुमक्खी पालन से स्वरोजगार के बारे में बताया।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Narayan Nagar, Pithoragarh District

मुवानी महाविद्यालय में छात्रों को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

रूद्र टाइम्स

मुवानी (पिथौरागढ़) राजकीय महाविद्यालय मुवानी में मंगलवार को उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को निःशुल्क उद्यमिता एवं कौशल विकास प्रशिक्षण, स्टार्टअप स्थापित करने की प्रक्रिया तथा व्यवसायिक अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, छात्रों को अपने नवाचारपूर्ण विचारों को पहचानने और उन्हें व्यावहारिक रूप देने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें।

ओरिएंटेशन सत्र का संचालन भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के प्रशिक्षक श्री जयेद्र विक्रम द्वारा किया गया। उन्होंने अपने अनुभव एवं ज्ञान के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। महाविद्यालय परिवार द्वारा उनका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता की ओर अग्रसर होना चाहिए, जिससे वे स्वयं के साथ–साथ अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर उत्पन्न कर सकें।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी राजकमल किशोर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उद्यमिता आज के युग की आवश्यकता है। यदि विद्यार्थी अपने कौशल, रुचि और नवाचार को सही दिशा में उपयोग करें, तो वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकते हैं, बल्कि समाज और देश के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम में डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. रुपेश कुमार, डॉ. नीमा जोशी, भावना, लक्षम सिंह मेहता, सुंदर सिंह,धरम सिंह, अंशुल स्वरूप, वीरेंद्र सिंह, हुकम सिंह, दिया भंडारी, जगदीश सिंह, मनीषा लेखक, विनीता ऐरी, गोकुल प्रसाद, गुंजन कन्याल, प्रकाश जोशी, रश्मि चौसाली, निकिता सोनार, योगिता बोहरा, विजय सामंत, शवंत टम्टा, दिनेश जोशी, राहुल प्रसाद, प्रिया, रेखा, प्रिया, लक्ष्मी, जगदीश सिंह कल्याण, विजय सामंत, कविता, भावना, गुंजन जोशी, सोनिया राठौर, प्रिया बोनाल, ज्योति जोशी, यामिनी भट्ट, दिव्या, नैना, भूमिका, मोनिका सहित अनेक छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Muwani, Pithoragarh District

देव भूमि उद्यमिता योजना का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजन

रूद्र टाइम्स
गंगोलीहाट (पिथौरागढ़) उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में देव भूमि उद्यमिता योजना का एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन शहीद पवन सिंह सुगडॉ राजकीय महाविद्यालय गंगोलीहाट में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मधु केश गुप्ता देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ० हेमा मेहरा , कार्यक्रम संयोजक जयेंद्र विक्रम तथा महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दी अपने उद्घाटन संबोधन में प्राचार्य डॉ.मधु केश गुप्ता ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए स्थानीय संसाधनों एवं पारंपरिक कौशल के आधार पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ.हेमा मेहरा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए आगामी बूट कैंप, उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDP) तथा मेगा स्टार्टअप समिट की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय में पूर्व में आयोजित उद्यमिता संबंधी गतिविधियों एवं उनकी उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, से आए प्रोजेक्ट ऑफिसर जयेंद्र विक्रम ने विद्यार्थियों को उद्यमिता की अवधारणा, नवाचार के विभिन्न आयामों तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम की संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने समस्याओं की पहचान, नए विचारों का सृजन, अवसरों के मूल्यांकन, रचनात्मक सोच एवं व्यवसायिक विचारों को बाजार तक पहुँचाने की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी। साथ ही स्टार्टअप एवं पारंपरिक व्यवसाय के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए व्यवसाय हेतु पूंजी जुटाने के विभिन्न स्रोतों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत उपलब्ध प्रशिक्षण, मेंटरशिप, वेंचर डेवलपमेंट सपोर्ट, हैंड–होल्डिंग एवं वित्तीय सहायता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी साझा की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. मनोज कुमार टम्टा,डॉ. नरेश चन्द्र कापरी , डॉ.द्विजेश कुमार लक्ष्मी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

पिथौरागढ़ में 19 लाख की साइबर ठगी का मास्टरमाइंड जाजरदेवल पुलिस ने तेलंगाना से किया गिरफ्तार

तकनीकी जांच सटीक रणनीति बड़ी गिरफ्तारी , पिथौरागढ़ पुलिस का कमाल

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Gangolihat, Pithoragarh District

दैनिक जागरण03.04.2026

स्वरोजगार अपना कर आत्मनिर्भर बनें युवा

संवाद सहयोगी, जागरण ● कोटद्वार : राजकीय महाविद्यालय सतपुली में करियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ की ओर उद्यमिता अभिविन्यास कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विद्यार्थियों को स्वरोजगार की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से नियुक्त प्रोजेक्ट आफिसर दिग्विजय सिंह व दिलीप कुशवाहा ने विद्यार्थियों व युवाओं को उद्यमिता कौशल के बारे में बताया। कहा कि युवाओं को स्वरोजगार अपना कर आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक व महाविद्यालय की नोडल अधिकारी विपिन चंद्र ने छात्र-छात्राओं को रोजगार से जोड़ने व सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डा. संजय कुमार ने विद्यार्थियों को इस तरह की कार्यशालाओं के महत्व के बारे में बताया।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Satpuli, Pauri Garhwal District

उद्यमिता ओरिएंटेशन में छात्रों ने सीखे गुर

संवाद सहयोगी, जागरण • कोटद्वार: राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित देवभूमि उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम में छात्रों को उद्यमिता के गुर सिखाए गए।

उच्च शिक्षा विभाग व भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.डा.डीएस नेगी, दिलीप कुशवाहा, नोडल अधिकारी डा.एसके गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्राचार्य प्रो.डा.डीएस नेगी ने कहा कि महाविद्यालय में स्थापित उद्यमिता केंद्र प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी देवभूमि उद्यमिता योजना के क्रियान्वयन के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। यह योजना कोटद्वार क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए कारगर सिद्ध होगी। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विषय विशेषज्ञ दिलीप कुशवाहा ने उद्यमिता व स्टार्टअप से संबंधित विषयों पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से गहन जानकारी दी गई।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Kotdwar, Pauri Garhwal District

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि जीवन को सफल बनाने और मंजिल को पाने के लिए आत्मसंयम जरूर बनाए रखें। जीवन में कई तरह की कठिनाइयां व संकट आते हैं, मगर उन्हें देखकर घबराना नहीं चाहिए। आत्मसंयम हमें कठिनाइयों से सबक लेना सिखाता है। जिनके बल पर ही हम आगे बढ़ते हुए विवेक की लौ जलाकर सफलता की इबारत लिखते हैं।

कार्यक्रम में उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद से नियुक्त रिसार्से पर्सन के रूप में दिलीप सिंह कुशवाह, प्रोग्राम ऑफिसर ने उद्यम, उद्यमिता व उद्यमी के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। भारत और विश्व के कुछ सफल उद्यमियों के उदहारण प्रस्तुत किए। वर्तमान में पर्वतीय क्षेत्र में नये स्टार्टअप की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में एक अभिरूचि टेस्ट भी संपन्न करवाया गया, जिसके आधार पर बूट-कैंप के लिए छात्र-छात्राओं का चयन करवाया जाएगा। बूट कैंप संपन्न करने वाले छात्र-छात्राओं में से छः दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम के लिए चयन होगा। तीन दिवसीय ईडीपी पूर्ण करने वालें छात्रों में से चयनित छात्र-छात्राओं को एक लाख रुपये की धनराशि शीड फण्ड के रूप में प्रदान की जाएगी। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने बताया कि एक उद्यमी के लिए साहस, धैर्य और नवाचार का गुण महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन नोडल अधिकारी डॉ. नीरज असवाल ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Thalisain, Pauri Garhwal District

देवभूमि उद्यमिता योजना के अन्तर्गत किया गया एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन।

कोटद्वार, कण्वघाटी। राजकीय महाविद्यालय कण्वघाटी कोटद्वार देवभूनि उद्यमिता केंद्र व उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय में एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक व महाविद्यालय देवभूमि उद्यमिता केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ० विनय देवलाल ने कार्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी देश के आर्थिक विकास में उद्यमिता कि महत्वपूर्ण भूमिका रहती है उन्होंने छात्र छात्राओं को नवोन्मेषी उद्यम के द्वारा शिक्षा से उद्यम की ओर बढ़ने व आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला संयोजक व विषय विशेषज्ञ श्री दिलीप सिंह कुशवाहा ने प्रतिभागियों को देवभूमि उद्यमिता योजना के उद्देश्यों चरणों तथा सपोर्ट सिस्टम - प्रोडक्ट डेवलपमेंट सपोर्ट, मार्केटिंग एंड बिल्डिंग सपोर्ट पैकेजिंग एंड फाइनेंसियल लिंकेज के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी। जिला संयोजक द्वारा प्रतिभागियों को उद्यमी बनने के लिए कुछ नया ढूंढने नए विचार अवसरों और संभावनाओं को पहचानने के विषय में आवश्यक जानकारी देने के साथ डिजिटल नोमेड पहल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। व्याख्यान के अंत में ओरिएंटेशन में प्रतिभागी छात्र छात्राओं कि आगानी बूटकैंप हेतु टेस्ट लिया। कार्यक्रम में स्थानीय उद्यमी श्री श्रेय सुन्दरियाल द्वारा अपनी उद्यमिता के संघर्ष एवं सफलता को प्रतिभागियों के समक्ष साझा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० हरिश्चंद्र ने नए इंटरप्रेन्योर हेतु छात्रों को प्रोत्साहित किया व सफल उद्यमियों की सफलता कि वास्तविक कहानी बताकर छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित किया उन्होंने देवभूमि उद्यमिता योजना में छात्रों को अपने नये नये विचार प्रस्तुत कर एक लाख रुपये की सीड फण्ड की धनराशि का लाभ प्राप्त करने हेतु प्रयास करने को कहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्रक्रयापक प्रो० अशोक कुमार मित्तल प्रो० विमल कुकरेती आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के 113 छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम का संचालन उषा सिंह द्वारा किया गया।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Kanwaghati, Pauri Garhwal District

डिग्री कॉलेज दून शहर में ओरियंटेशन प्रोग्राम ऑर्गेनाइज्ड .

बिजनेस शुरू कैसे करना है विस्तार से दी जानकारी

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (8 May): डिग्री कॉलेज देहरादून शहर में ईडीआईआई अहमदाबाद के सहयोग से देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक दिन का ओरियंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया. इसमें छात्रों को एंटरप्रेन्योरशिप और बिजनेस शुरू करने की जानकारी दी गई.

100 से ज्यादा स्टूडेंट्स शामिल

डीयूवाई टीम की मेंटर सपना ने छात्रों को बताया कि किस तरह अपने आइडियाज को बिजनेस में बदला जा सकता है. कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. कुलदीप रावत ने कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना सरकार की अच्छी पहल है, जिससे छात्र स्वरोजगार की ओर बढ़ सकते हैं. उन्होंने बताया कि यह योजना पिछले तीन सालों से कॉलेज में चल रही है. कार्यक्रम में डॉ. नीतू बलूनी ने देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत सीड फंड पाने वाले छात्रों की अचीवमेंट्स भी शेयर किए. कार्यक्रम में 100 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया. इस मौके पर डॉ. गिरीश सेठी, डॉ. पंकज बहुगुणा, डॉ. हेमलता खाती, डॉ. मंजूर भंडारी, डॉ. उषा रानी नेगी, डॉ. पूजा रावत, डॉ. पायल अरोड़ा समेत कॉलेज स्टाफ मौजूद रहा.

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Dehradun Shahar, Dehradun District

संवाद सूत्र, जागरण • त्यूणी: देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत पंडित शिवराम राजकीय महाविद्यालय त्यूणी में एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ग्रामीण युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल व शिक्षा व्यवस्था में नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास व स्वरोजगार के माध्यम से युवा आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

राजकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग की महत्वाकांक्षी 'देवभूमि उद्यमिता योजना' के ओरिएंटेशन कार्यक्रम में वक्ताओं ने ग्रामीण युवाओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. मृत्युंजय कुमार सिन्हा ने दीप प्रज्वलित कर सत्र का शुभारंभ किया। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा सरकार द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण छात्र छात्राओं के भीतर छिपी उद्यमिता क्षमता को पहचाना एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। वर्तमान में उद्यमिता केवल व्यवसाय नहीं बल्कि देश की प्रगति का आधार है। मुख्यवक्ता के रुप में देवभूमि उद्यमिता योजना की प्रोजेक्ट आफिसर सपना नेगी ने युवाओं को स्टार्टअप कल्चर व स्वरोजगार के विभिन्न चरणों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस मौके पर नोडल अधिकारी रहिश कुमार, शिखा भारती आदि मौजूद रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Tyuni, Dehradun District

नवोदय टाइम्स THU,23 APRIL 2026
EDITION: THE NAVODAYA TIMES UTTARAKHAND AND DEHRADUN, PAGE NO. 3

डोईवाला डिग्री कॉलेज में उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित

डोईवाला, 22 अप्रैल (नवोदय टाइम्स): शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय पीजी कॉलेज में एक दिवसीय उद्यमिता अभिविन्यास (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम आयोजित किया गया। देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नौकरी तलाशने वालों से रोजगार सृजक के रूप में विकसित करना और उन्हें आवश्यक कौशल व मानसिकता से सशक्त बनाना था। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डीपी भट्ट ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के लगभग 150 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

नोडल अधिकारी डा. त्रिभुवन चंद्र ने नवाचार और स्थानीय उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डीयूवाई की प्रशिक्षक सपना नेगी ने प्रतिभागियों को योजना के प्रमुख सिद्धांतों, आइडिया डेवलपमेंट, राज्य के भीतर बाजार अवसरों की पहचान तथा उपलब्ध सहायता प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC Doiwala, Dehradun District

ऋषिकेश। देवभूमि उद्यमिता योजना 2.0 के अंतर्गत श्री देव सुमन उत्तराखंड यूनिवर्सिटी के पंडित ललित मोहन शर्मा परिसर में 2 अप्रैल 2026 को प्रथम उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता के प्रति जागरूक कर स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नोडल अधिकारी एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन टूरिज्म की निदेशक प्रो. अनीता तोमर ने की। उन्होंने कहा कि यह योजना युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उनकी उद्यमशील क्षमता को विकसित करने का सशक्त मंच है। आज के दौर में केवल डिग्री नहीं, बल्कि नवाचार और कौशल भी जरूरी हैं।

इस दौरान जिला समन्वयक सपना नेगी और शुभम सिंह ने योजना की जानकारी देते हुए पंजीकरण, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और स्टार्टअप से जुड़े पहलुओं को सरल तरीके से समझाया।

कार्यक्रम में योजना के तहत ₹75,000 की सीड फंडिंग प्राप्त कर चुकी छात्रा मान्या राजपाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित किया।

परिसर निदेशक प्रो. महावीर सिंह रावत और कुलपति प्रो. एन.के. जोशी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहलें युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अंत में डॉ. शालिनी रावत ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में करीब 76 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Pt. Lalit Mohan Sharma (LMS) Campus in Rishikesh Dehradun District

बुलन्द वाणी संजय राजपूत

देहरादून, रायपुर। महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एकदिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रोफेसर ज्योति खरे द्वारा प्राचार्य जी की अध्यक्षता मेंभारतीय औद्योगिक संस्थान अहमदाबाद एवं देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड की ओर से आई प्रोजेक्ट ऑफिसर के श्रीमती सपना नेगी का स्वागत कर किया गया ।तत्पश्चात सभी के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना था। कार्यक्रम में भारतीय औद्योगिक संस्थान अहमदाबाद एवं देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड की ओर से आई प्रोजेक्ट ऑफिसर एवं इस ओरिएंटेशन कार्यक्रम की विशेषज्ञ वक्ता सुश्री सपना नेगी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उद्यमिता के विभिन्न आयामों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि वर्तमान समय में उद्यमिता युवा वर्ग के लिए एक सशक्त विकल्प के रूप में उभर रही है, जो आत्मनिर्भरता के साथ-साथ रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। और कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के व्यावसायिक कौशल एवं आत्मविश्वास को बढ़ाने में अत्यंत सहायक होते हैं। महाविद्यालय की देवभूमि उद्यमिता योजना की की नोडल अधिकारी प्रो. ज्योति खरे ने अपने वक्तव्य में कहा कि ह्यदेवभूमि उद्यमिता योजना विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है, जिसके माध्यम से वे न केवल उद्यमिता के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं, बल्कि अपने विचारों को एक सफल व्यवसाय के रूप में विकसित करने की दिशा में भी आगे बढ़ सकते हैं। महाविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर एवं नवाचार के प्रति प्रेरित करना है।ह्व महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय प्रोफेसर यतीश वशिष्ठ ने अपने संदेश में कहा कि ह्यऐसे आयोजन विद्यार्थियों को नई दिशा प्रदान करते हैं और उन्हें रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ रोजगार सृजन के लिए भी प्रेरित करते हैं।ह्व इस कार्यक्रम में ही महाविद्यालय कि देवभूमि उद्यमिता योजना की समिति सदस्य डॉ धर्मेन्द्र राठौर, डॉ वाई सी नैनीताल, डॉ राम चंद्र सिंह नेगी, डॉ डी सी बेबनी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा । इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉक्टर सविता वर्मा, डॉ एस एस गुसाई, डॉ कविता काला, सुश्री रीनॉ आदि प्राध्यापक एवं तकनीकी कर्मचारी श्री अभयजीत उनियाल और श्री पंकज कुमार उपस्थित रहें एवं उनका भी सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियोने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा अपनी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया ।सभी उपस्थित छात्र छात्राओं को देवभूमि उद्यमिता योजना एवं भारतीय औद्योगिक संस्थान से आई प्रोजेक्ट ऑफिसर एवं कार्यक्रम की मुख्य वक्ता श्रीमती सपना नेगी द्वारा सभी उपस्थित छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र भी दिए । अंत में महाविद्यालय के देवभूमि उद्यमिता योजना के मेंटॉर डॉक्टर धर्मेन्द्र राठौर द्वारा महाविद्यालय परिवार की ओर से अतिथि वक्ता एवं उपस्थित गणों का आभार व्यक्त किया गया।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Maldevta, Dehradun District

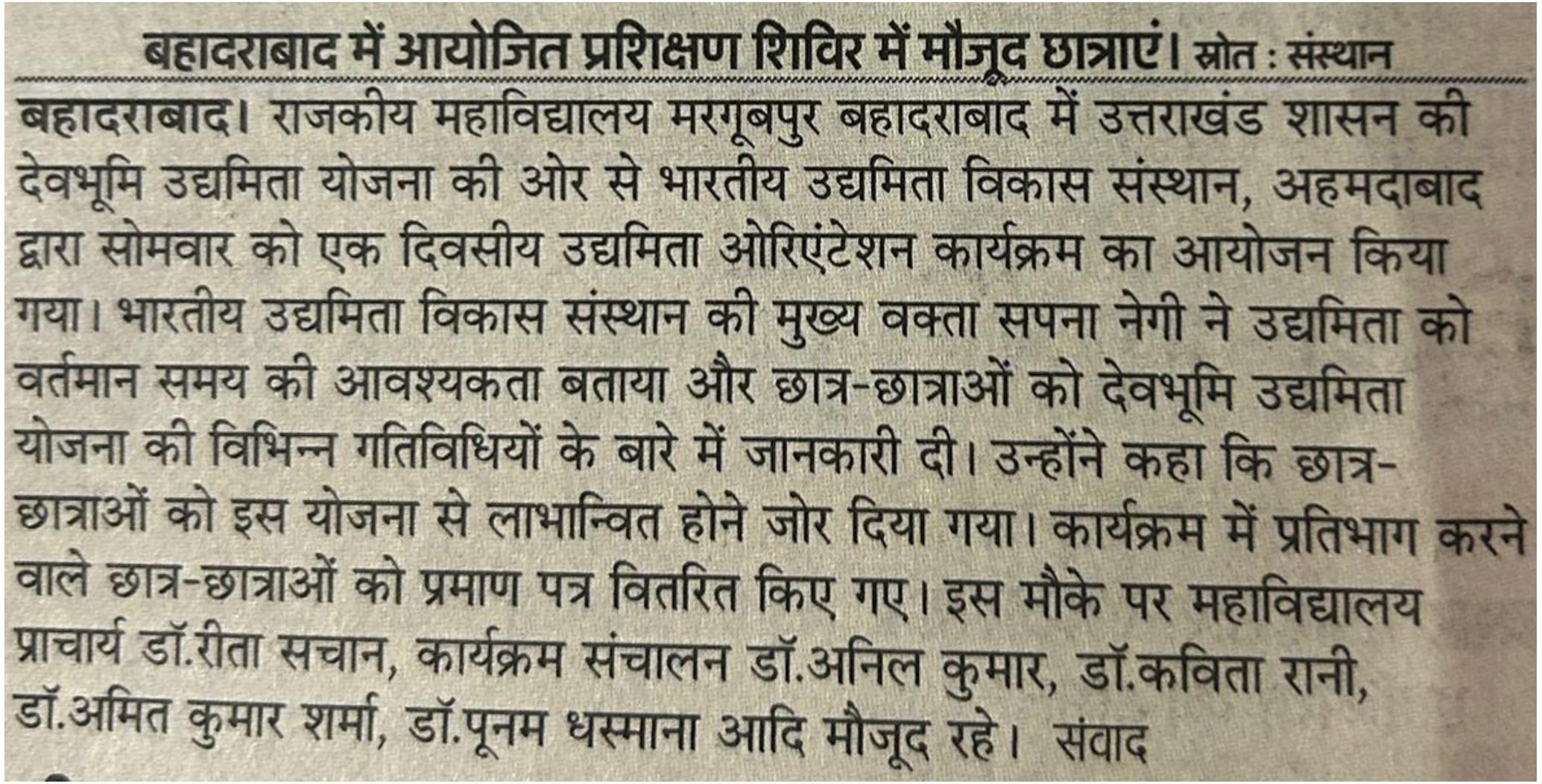

बहादराबाद में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में मौजूद छात्राएं। स्रोत : संस्थान

बहादराबाद। राजकीय महाविद्यालय मरगूबपुर बहादराबाद में उत्तराखंड शासन की देवभूमि उद्यमिता योजना की ओर से भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा सोमवार को एक दिवसीय उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान की मुख्य वक्ता सपना नेगी ने उद्यमिता को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया और छात्र-छात्राओं को देवभूमि उद्यमिता योजना की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं को इस योजना से लाभान्वित होने जोर दिया गया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस मौके पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.रीता सचान, कार्यक्रम संचालन डॉ.अनिल कुमार, डॉ.कविता रानी, डॉ.अमित कुमार शर्मा, डॉ.पूनम धस्माना आदि मौजूद रहे। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Margoobpur, Haridwar District

हरिद्वार, भगवानपुर। श्री बाबू कलीराम राकेश राजकीय महाविद्यालय चुड़ियाला में देवभूमि उद्यमिता योजना के सहयोग से आज एक दिवसीय उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को उद्यमिता के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य वक्ता श्रीमती सपना नेगी (प्रोजेक्ट ऑफिसर हरिद्वार) का स्वागत और बैज अलंकरण करके की गई। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० सी पी सिंह ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए छात्र-छात्राओं को इस कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्य वक्ता श्रीमती सपना ने छात्र-छात्राओं को देवभूमि उद्यमिता योजना, उद्यमिता की अवधारणा, अपनी क्षमताओं और कौशल की पहचान करने के तरीकों, बाजार की मांग के अनुसार उत्पाद चयन आदि विषय में बताया। साथ ही देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत विकसित किए गए विभिन्न छात्र-छात्राओं के उत्पादों, स्टार्टअप आदि के उदाहरणों के बारे में जानकारी देते हुए छात्राओं को अपना उद्यम विकसित करने हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के लिए ब्रेनस्टॉर्मिंग और क्रिएटिविटी एक्टिविटीज आयोजित की गईं, जिनसे उनके नवाचारी विचार और रचनात्मक क्षमता का परीक्षण किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. लक्ष्मी मनराल द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ट प्राध्यापक डॉ आर.पी. द्विवेदी, डॉ ए.ए. अंसारी, डॉ. पियूष पटेल, डॉ. श्वेता सिंह तथा श्री सुमित थपलियाल आदि उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Churiyala, Haridwar District

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफ़ेसर अर्चना गौतम एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित कार्यक्रम प्रशिक्षक एवं प्रोजेक्ट अधिकारी श्रीमती सपना नेगी के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। इसके पश्चात मुख्य वक्ता का प्राचार्य के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ कुलदीप चौधरी के द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफ़ेसर अर्चना गौतम का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।महाविद्यालय की देवभूमि उद्यमिता योजना के नोडल अधिकारी डॉ कुलदीप चौधरी ने देवभूमि उद्यमिता योजना के विषय में महाविद्यालय के छात्र -छात्राओं एवं प्राध्यापकों के समक्ष कार्ययोजना के विस्तृत स्वरूप को समझाया।विस्तृत जानकारी देने के साथ साथ नोडल अधिकारी ने कहा ने कहा कि पहाड़ी राज्य होने के कारण वर्तमान में युवा वर्ग उद्यमिता योजना से स्वरोजगार के अवसर होने से पहाड़ से युवाओं के पलायन को रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा राज्य व केंद्र सरकार द्वारा युवाओं में उद्यमिता योजना को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित श्रीमती सपना नेगी ने *पी पी टी* के माध्यम से छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया एवं उन्होंने कहा किया आप सकारात्मक सोच से अपने उद्यम की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सरकारी क्षेत्र में अवसर कम होने के कारण प्रत्येक छात्र छात्रा को आवश्यक है कि वह अपना उद्यम विकसित करें एवं जिससे दूसरों को भी रोज़गार देने के अवसर उत्पन्न हों एवं कहा कि बिना जोखिम लेने से आप सफल व्यक्ति नहीं बन सकते हो।आपको सकारात्मक सोच के साथ अपना उद्यम को विकसित करना होगा।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDMC Meethi beri, Haridwar District

छात्रों को स्टार्टअप के लिए किया प्रेरित

संवाद न्यूज एजेंसी

सोमेश्वर (अल्मोड़ा)। हुकुम सिंह बोरा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सोमेश्वर में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता, स्वरोजगार और स्टार्टअप के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी प्राचार्य डॉ. कमला धौलाखंडी भारद्वाज ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन छात्रों में आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता और नवाचार की भावना को विकसित करते हैं।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC, Someshwar, Almora District

छात्रों को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

भिकियासैण (अल्मोड़ा)। डा. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को देवभूमि उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में उद्यमिता की भावना विकसित करना तथा उन्हें स्वरोजगार एवं स्टार्टअप के अवसरों के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं विशेषज्ञ के रूप में महेंद्र सिंह रौतेला, परियोजना अधिकारी देवभूमि उद्यमिता योजना, अल्मोड़ा उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य युवाओं को अपने व्यावसायिक विचारों को सफल व्यवसाय में बदलने के लिए मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान करना है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि किस प्रकार वे अपने नवाचारपूर्ण विचारों को स्टार्टअप के रूप में विकसित कर सकते हैं तथा आत्मनिर्भर बन सकते हैं। योजना के अंतर्गत युवाओं को प्रशिक्षण, मेंटरशिप, बूट कैंप, बिज़नेस प्लान मार्गदर्शन तथा स्टार्टअप सहायता जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

कार्यक्रम के संयोजक डा. राजीव कुमार रहे, जबकि संचालन डा. सुभाष चंद्र आर्या ने किया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डा. गौरव कुमार ने मुख्य वक्ता महेंद्र सिंह रौतेला का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। इस मौके पर डा. दिनेश कुमार, डा. परितोष उप्रेती, डा. इंदिरा तथा अजय पाण्डेय सहित अन्य सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Bhikiyasan, Almora District

अमर उजाला (28 अप्रैल 2026)

पीजी कॉलेज में देवभूमि उद्यमिता योजना कार्यक्रम

द्वाराहाट (अल्मोड़ा)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वाराहाट में सोमवार को देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर प्राचार्य डॉ. डीसी पंत ने कहा कि देवभूमि उद्यमिता योजना अंतर्गत विद्यार्थियों को उद्यमिता एवं स्वरोजगार के साथ साथ अपना उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित किया जाता है ताकि पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित संसाधनों का उपयोग कर विकास किया जा सके।

पलायन को रोकने में भी मदद मिलेगी। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉ प्रकाश चंद्र, सहायक नोडल अधिकारी डॉ अशोक कुमार, डॉ देवजनी अधिकारी, डॉ सुमन गढ़िया, डॉ अंचलेश कुमार, डॉ पूनम पंत, डॉ आशा पाछें सहित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र छात्राएं मौजूद रहीं। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GPGC, Dwarahat, Almora District

संवाद सहयोगी, जागरण, अल्मोड़ा : गुरूड़ाबांज महाविद्यालय में देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भर बनाने की जानकारी दी गई। प्राचार्य डा. मनोज कुमार 'भोज' ने विद्यार्थी को स्वरोजगार से माध्यम से जोड़ने के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि पहाड़ों में स्थानीय स्तर में माल्टा जूस, चीड़ का लिसा, होम स्टे, फल उत्पादन आदि के द्वारा अपना रोजगार कर विद्यार्थी आत्मनिर्भर बन सकते हैं। इस मौके पर नोडल अधिकारी जसवीर सिंह, डा. मंजू चंद्र, देवेंद्र कुमार, हिमांशु पंत, पवन कुमार जोशी आदि मौजूद रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Garurabanj, Almora District

स्याल्दे (अल्मोड़ा)। सुरेंद्र सिंह जीना राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में प्रोजेक्ट मैनेजर महेंद्र सिंह रौतेला ने छात्रों को बताया कि सरकारी नौकरी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है उन्हें व्यवसाय शुरू करने के लिए आगे आना चाहिए।

विशेषज्ञों ने बताया कि इस योजना के माध्यम से छात्रों को निशुल्क उद्यमिता एवं कौशल प्रशिक्षण, स्टार्टअप शुरू करने के लिए मार्गदर्शन किया। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Syaldey, Almora District

उद्यमिता युवाओं के लिए स्वरोजगार का सशक्त माध्यम

आज समाचार सेवा

अल्मोड़ा। राजकीय महाविद्यालय, लमगड़ा में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य प्रो कमरुद्दीन ने कार्यक्रम में विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में उद्यमिता युवाओं के स्वरोजगार के लिए एक सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। उन्होंने विद्यार्थियों का नवाचार आत्मविश्वास एवं परिश्रम के माध्यम से अपने लक्ष्य प्राप्त करने का आह्वान किया। संचालन एवं संयोजन योजना के नोडल अधिकारी असिस्टेंट प्रोफेसर डा हेमन्त कुमार बिनवाल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने उद्यमिता के विभिन्न आयामों– जैसे व्यवसाय की प्रारम्भिक योजना संसाधनों का प्रभावी उपयोग सरकारी योजनाओं की जानकारी वित्तीय सहायता के स्रोत एवं नवाचार की भूमिका की विस्तार से जानकारी दी। मुख्य वक्ता महेंद्र सिंह रौतेला ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को बताया कि सीमित संसाधनों में भी सफल उद्यम स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं को जोखिम उठाने निरंतर प्रयास करने एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासा भी शांत की गई। प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में डा रेनू जोशी डा कमलेश कुमार सिद्धार्थ गौतम धर्मेंद्र नेग दीपक कुमार रेनू असगोला नरेंद्र प्रसाद आदि मौजूद रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Lamgara, Almora District

रामनगर। राजकीय महाविद्यालय मालधनचौड़ में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के तत्वावधान में देवभूमि उद्यमिता योजना के अंतर्गत ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डा. सुशीला सूद ने किया। महाविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. डॉ. जीसी पंत ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम को मालधन क्षेत्र के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बहुत उपयोगी बताया। मुख्य वक्ता भूपेंद्र सिंह मेहरा प्रोजेक्ट ऑफिसर एंटरप्रेन्योरशिप एक्सपर्ट भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद और महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डा. प्रिय दर्शन ने कार्यशाला के लक्ष्य एवं उद्देश्य के बारे में बताया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण-पत्र दिए गए। प्राचार्य डा. सुशीला सूद ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डा. पीके निश्छल, डा. निधि अधिकारी, डा. प्रदीप चंद्र, दीपा पांडेय, मो. नफीस, शुभम ठाकुर, राकेश चंद्र, जगदीश, जसवंत सिंह आदि उपस्थित रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Maldhan Chaur, Nainital District

उत्तराखण्ड

छात्रों को स्वरोजगार के अवसर बताए

महाविद्यालय में उद्यमिता विकास एवं रोजगार सृजन पर कार्यशाला आयोजित

रामनगर। पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उद्यमिता अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। देवभूमि उद्यमिता विकास योजना के अन्तर्गत इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता के प्रति जागरूकता विकसित करना, स्वरोजगार के अवसरों से अवगत कराना तथा आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित करना था।

कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एमसी पाण्डे ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में केवल नौकरी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवा अपने स्टार्टअप के माध्यम से रोजगार सृजित कर समाज एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यशाला में लगभग 100 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिनमें से लगभग 30 विद्यार्थियों ने उद्यमिता के प्रति विशेष रुचि प्रदर्शित की।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के विशेषज्ञ डा.भूपेन्द्र सिंह मेहरा ने विद्यार्थियों को उद्यमिता से संबंधित विभिन्न पहलुओं, सरकारी योजनाओं तथा स्टार्टअप की संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से यह समझाया गया कि किस प्रकार एक विचार को व्यवसाय में परिवर्तित किया जा सकता है तथा छोटे स्तर से शुरुआत कर सफलता प्राप्त की जा सकती है।

इस दौरान डा.डीएन जोशी, नोडल अधिकारी डा.अनुराग श्रीवास्तव, प्रो.जेएस नेगी, डा.लोतिका अमित, डा.डीएन जोशी, डा.जेपी त्यागी, डा.ममता जोशी, डा.प्रकाश सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे। कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी छात्र छात्राओं को प्राचार्य प्रो.पाण्डे एवं मुख्य वक्ता डा.मेहरा ने प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at P.N.G Govt. Post Graduate College, Ramnagar, Nainital District

दोषापानी कॉलेज में छात्रों ने आत्मनिर्भरता के गुर सीखे

भवाली, संवाददाता। पंडित पूर्णानंद तिवारी डिग्री कॉलेज दोषापानी में बुधवार को ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को देवभूमि उद्यमिता योजना की जानकारी दी गई।

मुख्य वक्ता भूपेंद्र मेहरा ने छात्र-छात्राओं को देवभूमि उद्यमिता योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को अपने कौशल और नवाचार को पहचानने व उन्हें उद्यमिता से जोड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। यहां कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. कविता पंत प्राचार्य प्रो. अजरा परवीन, डॉ. अनीता नेगी रहीं।

विद्यार्थियों को दिए कॅरियर टिप्स

हल्द्वानी। एमबीपीजी महाविद्यालय के करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ की ओर से बुधवार को एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ सह-संयोजक डॉ. नवल किशोर लोहानी ने किया। मुख्य वक्ता प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर कविंद्र बिजवाल ने विद्यार्थियों को आंतरिक एवं बाह्य व्यक्तित्व विकास, और प्रभावी संप्रेषण कौशल के महत्व से अवगत कराया। यहां प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Doshapani, Nainital District

पतलोट डिग्री कालेज में हुआ ओरिएंटेशन कार्यक्रम

भीमताल। भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के तत्वावधान में महाविद्यालय पतलोट में ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता के प्रति जागरूकता बढाना तथा स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी प्रदान करना था। जिसका शुभारम्भ प्राचार्य ने किया। उन्होने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने एवं नवाचार की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता प्रोजेक्ट ऑफिसर भूपेन्द्र सिंह ने पीपीटी से सरल, प्रभावपूर्ण एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को योजना के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। इस दौरान स्क्रीनिंग टेस्ट में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। टेस्ट के आधार पर चयनित विद्यार्थियों को आगामी चरणों तीन दिवसीय आवासीय बूट कैंप एवं छः दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त होगा। इसका समस्त व्यय योजना के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Patlot, Nainital District

उद्यम स्थापित करते समय रखें सकारात्मक दृष्टिकोण : डा. भूपेंद्र

विज्ञप्ति, हल्द्वानी : महिला महाविद्यालय में सोमवार को देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत ओरिएंटेशन कार्यक्रम किया गया। प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने आयोजन का शुभारंभ किया। जिला समन्वयक डा. भूपेंद्र मेहरा ने छात्राओं को उद्यम स्थापित करने से जुड़ी जानकारी दी। जोखिम उठाने और निरंतर प्रयास करने के साथ ही सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में उद्यमिता युवाओं के लिए एक सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। उन्होंने छात्राओं को नवाचार, आत्मविश्वास और परिश्रम के माध्यम से अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at MBPG, Nainital District

आज समाचार सेवा

नैनीताल। जिले के शहीद श्री खेमचंद्र डौर्बी राजकीय महाविद्यालय बेतालघाट में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रायोजित भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के तत्वावधान में उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. विनय कुमार विद्यालंकार ने दीप जलाकर किया और उद्यमेन हि सिद्धयन्ति कार्याणि न मनोरथै के माध्यम से छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया, उन्होंने लघु एवं कुटीर उद्योगों पर भी चर्चा की। इससे संबंधित उन्होंने देवभूमि उद्यमिता योजना द्वारा संचालित विभिन्न चरणों एवं बूट कैंप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुखय वक्ता भूपेंद्र सिंह मेहरा प्रोजेकट ऑफिसर एंटरप्रेन्योरशिप एकसपर्ट भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद और नोडल अधिकारी डॉ इप्सिता सिंह ने कार्यशाला में उपस्थित छात्रछात्राओं को उद्यमिता हेतु प्रोत्साहित किया और देवभूमि उद्यमिता योजना के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ तरुण कुमार आर्य,डॉ दीपक,ममता पाण्डे एवं डॉ निर्मला, संतोष कुमार भारती मौजूद रहे। कार्यशाला में महाविद्याल में 42 छात्र छात्राओं द्वारा ऑनलाइन तथा ऑन स्पॉट पंजीकरण कर प्रतिभाग किया गया। संचालन डॉ. निर्मला ने किया।अंत में प्रतिभागी छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किए।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Betalghat, Nainital District

हल्दूचौड़। रिम्पी बिष्ट।। लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय हल्दुचौड में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रायोजित भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के तत्वधान में उद्यमिता योजना के अंतर्गत एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रोफेसर सीमा श्रीवास्तव प्राचार्य द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया. मुख्य वक्ता भूपेंद्र सिंह मेहरा प्रोजेक्ट ऑफिसर एंटरप्रेन्योरशिप एक्सपर्ट भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद और नोडल अधिकारी डॉ विपिन चंद्र जोशी ने कार्यशाला में उपस्थित छात्र-छात्राओं को उद्यमिता हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में डॉ हेमलता गोस्वामी,डॉ भगवती देवी एवं डॉ मनोज कुमार जोशी तथा अन्य प्राध्यापक मौजूद रहे। कार्यशाला के लक्ष्य एवं उद्देश्य के प्राप्ति हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया. कार्यशाला में महाविद्याल में 81 छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन तथा ऑन स्पॉट पंजीकरण कर प्रतिभाग किया गया। इस कार्यशाला में उद्यम शुरू करने की प्रक्रिया को विस्तार से बताया गया. पूर्व छात्र उद्यमी यामिनी जोशी को सेट फंड के रूप में 75000 की धनराशि उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रोत्साहन के रूप में प्रदान की गई.यामिनी जोशी ने अपनी सफलता की कहानी छात्र-छात्राओं के साथ साझा की.

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Halduchaur, Nainital District

चयन होने पर विद्यार्थियों को नए उद्यम को मिलेंगे एक लाख रुपये

कांडा महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं • जागरण

जागरण संवाददाता, बागेश्वर : राजकीय महाविद्यालय कांडा में गुरुवार को देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत एक दिवसीय उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद के महेंद्र सिंह रौतेला ने छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। कहा कि उद्यमिता योजना के तहत विद्यार्थी को छह दिवसीय आवासीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम में प्रतिभाग करना होगा। उनका उद्यम विचार बेहतर पाया जाता है, तो देवभूमि उद्यमिता योजना के मेगा इवेंट के अंतर्गत 25 विद्यार्थियों को नया उद्यम शुरू करने के लिए एक-एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर प्राचार्य डा. जयचंद्र गौतमसमन्वयक डा. नगेंद्र पाल, डा. चमन कुमार, डा. लता आर्या रहे।

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at GDC Kanda, Bageshwar District

स्वरोजगार के हुनर सीखेंगे विद्यार्थी

बागेश्वर के पंडित बीडी पांडेय परिसर में विद्यार्थियों को उद्यमिता के गुर बताते जिला समन्वयक। स्रोत- प्राध्यापक

बागेश्वर। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से संचालित देवभूमि उद्यमिता योजना के तहत पंडित बीडी पांडेय परिसर में एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ खुद का उद्यम शुरू कर आत्मनिर्भर बनने के गुर सिखाए।

बुधवार को आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ परिसर निदेशक डॉ. कमल किशोर जोशी और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के परियोजना अधिकारी महेंद्र सिंह रौतेला ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।

परिसर निदेशक डॉ. जोशी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी समय में युवाओं के लिए आत्मनिर्भर होना अत्यंत आवश्यक है।

परियोजना अधिकारी रौतेला ने उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं और भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया। इस मौके पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. पुष्पा, डॉ. पंकज दुबे, डॉ. नेहा भाकुनी आदि मौजूद रहे। संवाद

Devbhoomi Udyamita Yojana Orientation at Pandit B.D. Pandey Campus, Bageshwar District